

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान

प्रदेश में 12 कार्यक्रम, 71 हजार बूथों तक पहुंचेगी भाजपा



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मध्य प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने शुक्रवार को प्रदेश

भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता में अभियान की जानकारी दी। डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री की 25 वर्ष की यात्रा सेवा, समर्पण, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित रही है। अभियान का उद्देश्य उनकी सेवा यात्रा से जन-जन को परिचित कराना और सेवा के संस्कार को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि अभियान सेवा, स्वच्छता, जनभागीदारी और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से चलाया जाएगा।

हेमंत खंडेलवाल ने बताया कि अभियान के तहत 12 अलग-अलग कार्यक्रम होंगे और भाजपा कार्यकर्ता 71 हजार से अधिक बूथों के लाभार्थी परिवारों तक

पहुंचेंगे। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर सेवा दिवस मनाया जाएगा। इसी दिन शाम सात बजे लाभार्थी परिवारों के घर आशीर्वाद का दीया प्रज्वलित कर विकसित भारत-2047 का संकल्प लिया जाएगा। 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक स्कूलों में विकसित भारत विषय पर चित्रकारी और भाषण प्रतियोगिताएं होंगी।

डॉ. भागवत को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

नप्र, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक डॉ. मोहन भागवत को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि के संकल्प के साथ मां भारती के लिए समर्पित डॉ. भागवत का जीवन सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। भारतीय संस्कृति, सनातन जीवन-मूल्यों और राष्ट्र की एकता चेतना के प्रति उनका चिंतन समाज को कर्तव्यों के प्रति जागरूक करता है। मुख्यमंत्री ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर ऊर्जा की कामना की।

विवेकानंद के शिकागो उद्बोधन की 133वीं वर्षगांठ पर शुभकामनाएं

नप्र, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक शिकागो उद्बोधन की 133वीं वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 11 सितंबर 1893 को विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद के ओजस्वी संबोधन ने भारतीय संस्कृति, सहिष्णुता और विश्वबंधुत्व की भावना को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित किया।

सरकारी मामलों में अफसरों पर केस से पहले लेनी होगी अनुमति

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: प्रदेश में अब राजपत्रित अधिकारियों के खिलाफ सरकारी कामकाज से जुड़े मामलों में आपराधिक कार्रवाई से पहले तय कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। ऐसे मामलों में अदालत के संज्ञान लेने से पहले राज्य शासन से अभियोजन स्वीकृति लेना आवश्यक होगा। पुलिस मुख्यालय के अपराध अनुसंधान विभाग ने इस संबंध में प्रदेश की सभी पुलिस इकाइयों को निर्देश जारी किए हैं।

निर्देश में हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ के 19 जुलाई 2026 के आदेश का हवाला दिया गया है। हाईकोर्ट ने एक सरकारी अधिकारी के खिलाफ आवश्यक अभियोजन स्वीकृति के बिना दर्ज शिकायत पर अदालत द्वारा संज्ञान लेने के आदेश को निरस्त कर दिया था। इसके बाद पुलिस मुख्यालय ने संबंधित कानूनी प्रावधानों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। यदि कोई राजपत्रित अधिकारी अपने सरकारी पद की जिम्मेदारी निभाते समय ऐसा कार्य करता है, जिसे लेकर आपराधिक शिकायत की जाती है और मामला उसके आधिकारिक कामकाज से सीधे जुड़ा है, तो आगे की न्यायिक कार्रवाई से पहले शासन की अनुमति जरूरी हो सकती है। पहले यह प्रावधान दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 197 में था, जिसे

► **हाईकोर्ट के आदेश के बाद पुलिस मुख्यालय ने जारी किए निर्देश**
► **लोकायुक्त के 295 मामले अभियोजन स्वीकृति के इंतजार में**

अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 218 में रखा गया है। इसका अर्थ यह नहीं है कि सरकारी अधिकारी के खिलाफ शिकायत नहीं की जा सकती। आधिकारिक कर्तव्य से सीधे जुड़े मामलों में अदालत द्वारा संज्ञान लेने से पहले अभियोजन स्वीकृति की कानूनी प्रक्रिया पूरी करनी होगी। उल्लेखनीय है कि दूसरी ओर, लोकायुक्त पुलिस के 295 मामले अभियोजन स्वीकृति के अभाव में लंबित हैं। इनमें भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और राज्य के राजपत्रित अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। नगरीय विकास एवं आवास के 36, पंचायत एवं ग्रामीण विकास के 15, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के 12, सामान्य प्रशासन के 11 और लोक निर्माण विभाग के 10 मामले लंबित हैं। राजस्व के छह, जल संसाधन, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण तथा वन विभाग के पांच-पांच मामले भी लंबित हैं। अन्य विभागों के मामले भी शासन स्तर पर अभियोजन स्वीकृति के इंतजार में हैं।

उद्यमियों की सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत शुक्रवार को धार में आयोजित यशस्वी संवाद एवं उद्यमी संवाद कार्यक्रम में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने यशस्वी हितग्राहियों, उद्यमियों, प्रगतिशील किसानों और खेल प्रतिभाओं से संवाद किया। उन्होंने प्रतिभागियों की सफलता की कहानियां सुनीं और उन्हें प्रोत्साहित किया। मुख्य सचिव ने कहा कि ऐसे संवाद से आत्मनिर्भरता, स्थानीय उद्यमिता, नवाचार और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने

मुख्य सचिव बर्णवाल ने धार में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत यशस्वी हितग्राहियों और उद्यमियों से किया संवाद

वाला बनाना है। प्रदेश में एमपी एमएसएमई प्रोत्साहन योजना-2025 और एमपी स्टार्ट-अप योजना-2025 के माध्यम से नवाचार को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कार्यक्रम में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के प्रभांशु पंड्या ने सॉफ्टवेयर क्षेत्र में स्टार्ट-अप स्थापित कर 13 युवाओं को रोजगार देने और 50 लाख रुपये का कारोबार करने की जानकारी दी। नेहा जायसवाल ने हथकरघा और बाग प्रिंट के माध्यम से

महिला समूहों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास बताए। लखन-मोहनलाल पाटीदार ने पॉलीहाउस में गुलाब की खेती से 18 लाख रुपये प्रति एकड़ लाभ और ऑटोमेशन आधारित ब्लूबेरी खेती से आय की जानकारी दी।

प्रगतिशील किसान संगीता भाभर ने देशी बीज बैंक के माध्यम से पारंपरिक बीज संरक्षण और किसानों को जैविक संसाधन उपलब्ध कराने की जानकारी साझा की।

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने शुक्रवार को धार में समाधान ऑनलाइन के साथ विभागीय कार्यों और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतकर्ताओं से स्वयं बात करें और सौ दिन या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करें। समाधान ऑनलाइन में जुबे खां की पुलिस प्रकरण से संबंधित शिकायत की समीक्षा की गई।

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने शुक्रवार को धार में समाधान ऑनलाइन के साथ विभागीय कार्यों और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतकर्ताओं से स्वयं बात करें और सौ दिन या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करें। समाधान ऑनलाइन में जुबे खां की पुलिस प्रकरण से संबंधित शिकायत की समीक्षा की गई।

आधुनिक परिवहन व्यवस्था के लिए तकनीक और नवाचार पर जोर

मुख्यमंत्री ने यात्री परिवहन विजन समिट-2026 में प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में आयोजित यात्री परिवहन विजन समिट-2026 के दौरान तकनीक, नवाचार और प्रदेश की नवीन परिवहन व्यवस्था पर केंद्रित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित उद्योग प्रदर्शनी में बस निर्माताओं, सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों, वित्तीय संस्थानों और विभिन्न शासकीय निगमों ने अपनी गतिविधियों और नवाचारों का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी में विभिन्न कंपनियों द्वारा प्रदर्शित बसों का अवलोकन किया और उनके फीचर्स तथा आधुनिक तकनीकी सुविधाओं की जानकारी ली। प्रदर्शनी में परिवहन व्यवस्था को अधिक सुगम, सुरक्षित, आधुनिक और प्रभावी बनाने से जुड़े तकनीकी समाधान, सेवाएं, उत्पाद और नवाचार प्रस्तुत किए गए। प्रदर्शनी में भविष्य में



परिवहन के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में उपयोग होने वाली विद्युत बसों को भी प्रदर्शित किया गया। इसमें थिंक गैस, यश टेक्नोलॉजीज, भारतीय स्टेट बैंक, इंडियन ऑयल, लाइट मेट्रिक्स, एमपीआईडीसी, क्यूब कंस्ट्रक्शन, कल्याणी पावरट्रेन लिमिटेड और ओम्निफिसेंट सहित विभिन्न

कंपनियों ने भाग लिया। प्रदर्शनी में परिवहन क्षेत्र के आधुनिक समाधान, तकनीकी नवाचार, ऊर्जा एवं ईंधन संबंधी सुविधाओं और अधोसंरचना विकास की संभावनाओं को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह भी उपस्थित रहे।

दिव्यांगों की अटकी भर्ती प्रक्रिया फिर शुरू करने की तैयारी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: दिव्यांगजन आयुक्त डॉ. अजय खेमरिया ने शुक्रवार को मंत्रालय में मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल से मुलाकात कर दिव्यांगजनों के रोजगार, शिक्षा, पुनर्वास और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कई प्रस्ताव रखे। उन्होंने विशेष भर्ती अभियान की समय-सीमा बढ़ाने और वॉक-इन साक्षात्कार के माध्यम से होने वाली भर्ती पर लगी रोक हटाने का आग्रह किया। आयुक्त ने बताया कि दिव्यांगजनों के आरक्षित पदों की पूर्ति के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाया जा रहा है। वॉक-इन साक्षात्कार के माध्यम से भरे जाने वाले कुछ पदों पर रोक लगने से विज्ञापन जारी होने के बाद भी भर्ती प्रक्रिया और चयन सूची जारी नहीं हो सकी। उन्होंने लगभग पूरी हो चुकी भर्ती प्रक्रियाओं को देखते हुए रोक पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी कार्यकर्ता और सहायिका की भर्ती में दिव्यांग महिला आवेदकों को अतिरिक्त लाभ देने का प्रस्ताव भी रखा गया। इसके अलावा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के 60 छात्रावासों को वर्षभर संचालित करने और संस्थाओं का चयन कम से कम पांच वर्ष के लिए करने का सुझाव दिया गया।

प्रमुख सचिव ने ग्रामीणों से जानी बिजली आपूर्ति की स्थिति

नप्र, भोपाल: मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव मनीष सिंह ने शुक्रवार को देवास जिले का भ्रमण किया। टोंकखुर्द विकासखंड के अमोना गांव में जन चौपाल लगाकर उन्होंने घरेलू, कृषि और गैर घरेलू श्रेणी के बिजली उपभोक्ताओं से संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों से बिजली आपूर्ति, सिंचाई के लिए मिलने वाली बिजली, सब्सिडी और बिजली बिल जमा करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बिजली व्यवस्था को संतोषजनक बताया। इस दौरान अन्य शासकीय योजनाओं की भी जानकारी ली गई। जन चौपाल के बाद प्रमुख सचिव ने कुसुम-अ योजना के तहत अमोना में स्थापित दो मेगावाट और डेढ़ मेगावाट क्षमता के संयंत्रों का निरीक्षण किया तथा उत्पादित बिजली की जानकारी ली।

मुक्तिबोध की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सुप्रसिद्ध रचनाकार गजानन माधव मुक्तिबोध की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुक्तिबोध ने 'ब्रह्माक्षस' और 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' जैसी रचनाओं के माध्यम से मानव जीवन के संघर्ष को स्वर दिया।